

गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ

गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,

यह तो रूप धरा तुम सरगुन,
जीव उबार कराओ,
रूप तुम्हारा अगम अपारा,
सोइ अब दर्शाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

देखूं रूप मगन होये बेदूँ,
अभय दान दिलवाओ,
यह भी रूप प्यारा मोको,
इस ही से उसको समझाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

बिन इस रूप काज नहीं होइ,
कियो कर वही लखवाओ,
ता ते महिमा भरी इसकी,
पर वह भी लखवाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

वह तो रूप सदा तुम धारो,
या ते जीव जगाओ,
यह भी भेद सुना में तुमसे,
सूरत शबद मारग नित गाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

शबद रूप जो रूप तुम्हारा,
वा में भी अब सूरत पठाओ,
डरता रहूं मौत और दुःख से,
निर्भय कर अब मोहे छुड़ाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

दिन दयाल जीव हितकारी,
राधा स्वामी काज बनाओ,
दिन दयाल जीव हितकारी,
राधा स्वामी काज बनाओ,
गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ,

गुरु मोहे अपना रूप दिखाओ।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21187/title/guru-mohe-apna-roop-dikhao>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |